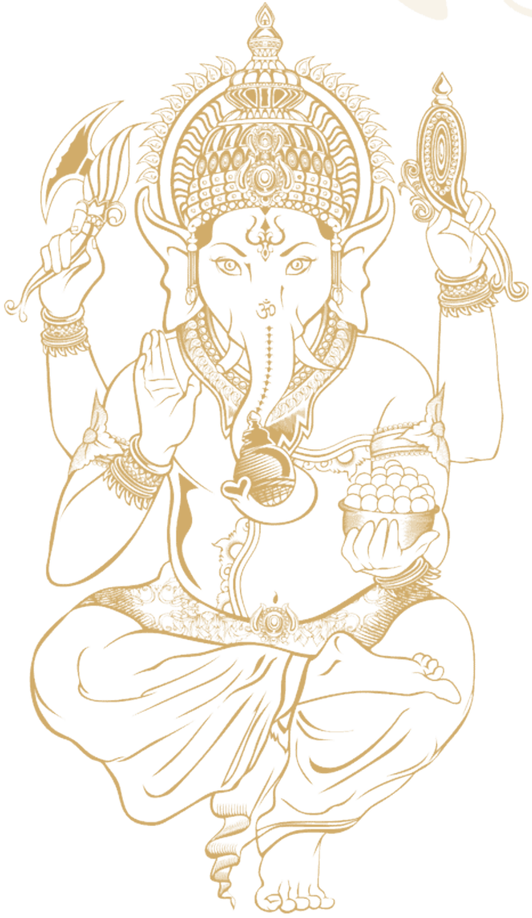

Shivani Sharma

01 Sep 2004

01:20 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 120995504

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31-01/09/2004**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**01:20:00 घंटे**
इष्ट	48:08:22 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:49:28 घंटे
वेलान्तर	-00:00:16 घंटे
साम्पातिक काल	23:30:46 घंटे
सूर्योदय	06:04:39 घंटे
सूर्यास्त	18:56:17 घंटे
दिनमान	12:51:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:48:25 सिंह
लग्न के अंश	14:02:15 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शूल
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	थ-थाकोरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:02:15	318:16:51	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			सिंह	14:48:25	00:58:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			मीन	07:15:27	13:38:10	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
मंगल		अ	सिंह	19:40:49	00:38:16	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध	व		सिंह	02:01:22	00:14:13	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कन्या	00:51:24	00:12:41	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	29:37:26	01:02:36	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
शनि			मिथु	29:28:44	00:06:15	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	09:30:41	00:04:49	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	09:30:41	00:04:49	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	10:44:01	00:02:23	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप	व		मक	19:24:11	00:01:26	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	25:37:27	00:00:02	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	28:07:13	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:11

लग्न-चलित

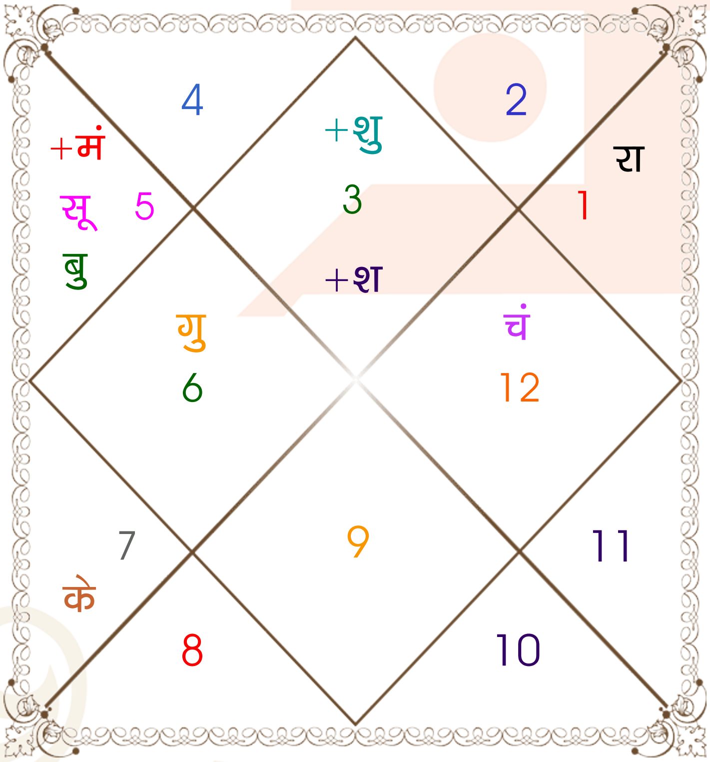

चन्द्र कुंडली

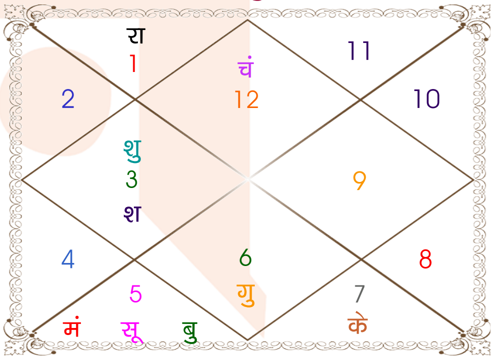

नवमांश कुंडली

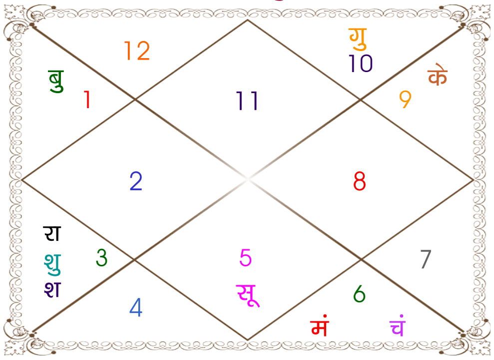

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 13 वर्ष 4 मास 27 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
01/09/2004	**28/01/2018**	**28/01/2035**	**28/01/2042**	**28/01/2062**
28/01/2018	**28/01/2035**	**28/01/2042**	**28/01/2062**	**28/01/2068**
01/09/2004	बुध 26/06/2020	केतु 26/06/2035	शुक्र 29/05/2045	सूर्य 17/05/2062
बुध 10/10/2004	केतु 23/06/2021	शुक्र 25/08/2036	सूर्य 30/05/2046	चंद्र 16/11/2062
केतु 19/11/2005	शुक्र 23/04/2024	सूर्य 31/12/2036	चंद्र 28/01/2048	मंगल 24/03/2063
शुक्र 18/01/2009	सूर्य 27/02/2025	चंद्र 01/08/2037	मंगल 30/03/2049	राहु 16/02/2064
सूर्य 31/12/2009	चंद्र 30/07/2026	मंगल 28/12/2037	राहु 29/03/2052	गुरु 04/12/2064
चंद्र 02/08/2011	मंगल 27/07/2027	राहु 16/01/2039	गुरु 28/11/2054	शनि 16/11/2065
मंगल 10/09/2012	राहु 12/02/2030	गुरु 23/12/2039	शनि 28/01/2058	बुध 22/09/2066
राहु 18/07/2015	गुरु 20/05/2032	शनि 31/01/2041	बुध 28/11/2060	केतु 28/01/2067
गुरु 28/01/2018	शनि 28/01/2035	बुध 28/01/2042	केतु 28/01/2062	शुक्र 28/01/2068

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
28/01/2068	**28/01/2078**	**28/01/2085**	**29/01/2103**	**29/01/2119**
28/01/2078	**28/01/2085**	**29/01/2103**	**29/01/2119**	**00/00/0000**
चंद्र 28/11/2068	मंगल 26/06/2078	राहु 11/10/2087	गुरु 18/03/2105	शनि 01/02/2122
मंगल 29/06/2069	राहु 15/07/2079	गुरु 05/03/2090	शनि 30/09/2107	बुध 02/09/2124
राहु 29/12/2070	गुरु 19/06/2080	शनि 09/01/2093	बुध 05/01/2110	00/00/0000
गुरु 29/04/2072	शनि 29/07/2081	बुध 30/07/2095	केतु 11/12/2110	00/00/0000
शनि 28/11/2073	बुध 26/07/2082	केतु 16/08/2096	शुक्र 11/08/2113	00/00/0000
बुध 29/04/2075	केतु 23/12/2082	शुक्र 17/08/2099	सूर्य 31/05/2114	00/00/0000
केतु 29/11/2075	शुक्र 22/02/2084	सूर्य 12/07/2100	चंद्र 30/09/2115	00/00/0000
शुक्र 29/07/2077	सूर्य 29/06/2084	चंद्र 11/01/2102	मंगल 05/09/2116	00/00/0000
सूर्य 28/01/2078	चंद्र 28/01/2085	मंगल 29/01/2103	राहु 29/01/2119	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 13 वर्ष 5 मा 18 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।